No. of Printed Pages : 7

BPY-008

B. D. P. (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination

June, 2020

BPY-008 : MODERN WESTERN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question No. 1 and **2** should be in about **400** words each.*

1. What are the various aspects of enlightenment culture and philosophy ? Explain the significance of enlightenment in western philosophy. 20

Or

Critically evaluate modern western philosophy with special reference to 'Rationalism' and 'Empiricism'.

P. T. O.

2. Discuss Kantian ethical principles with special reference to the 'Categorical Imperative'. 20

Or

Delineate the elements of science of human nature and fundamental customary belief about human life.

3. Answer any ***two*** of the following in about **200** words each : 10 each

   (a) Provide a detailed account of the organic theory of Hegel.

   (b) Elaborate the theory of pre-established harmony.

   (c) Delineate Locke's critique of innate ideas.

   (d) Explain absolute freedom as the central theme of existentialism.

4. Answer any ***four*** of the following in about **150** words each : 5 each

   (a) Explain Skepticism.

   (b) Illustrate casual determinism.

   (c) Describe transcendental freedom.

   (d) Explain Hume's idea of self.

(e) What do you understand by Renaissance ?

(f) Write a note on Interactionism.

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Justice

(b) Absolute

(c) Esse est percipi ,

(d) Surplus Value

(e) Subjectivity

(f) Humanism

(g) Passion

(h) Intuition

बी.पी.वाई-008

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

बी.पी.वाई-008 : आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. प्रबोधनकालीन संस्कृत एवं दर्शन के विभिन्न पक्ष क्या हैं ? पाश्चात्य दर्शन में प्रबोधन के महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

'बुद्धिवाद' तथा 'अनुभववाद' के विशेष सन्दर्भ में आधुनिक पाश्चात्य दर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

2. 'निरपेक्ष आदेश' के विशेष सन्दर्भ में काण्ट के नैतिक सिद्धान्तों पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

मानव-प्रकृति के विज्ञान के तत्वों और मानव जीवन सम्बन्धी आधारभूत प्रचलित विश्वासों पर प्रकाश डालिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) हीगल के जैविक सिद्धान्त का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए।

(ख) पूर्व-स्थापित सामंजस्य सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

(ग) लॉक के सहजात प्रत्ययों के खण्डन की व्याख्या कीजिए।

(घ) अस्तित्ववाद की केन्द्रीय विषयवस्तु के रूप में असीम स्वतन्त्रता (Absolute Freedom) की व्याख्या कीजिए।

4. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) संशयवाद की व्याख्या कीजिए।

(ख) कारणात्मक नियतिवाद को स्पष्ट कीजिए।

(ग) परात्पर (Transcendental) स्वतन्त्रता का वर्णन कीजिए।

(घ) ह्यूम के आत्मा सम्बन्धी विचार की व्याख्या कीजिए।

(ङ) पुनर्जागरण से आप क्या समझते हैं ?

(च) अन्योन्यक्रियावाद पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) न्याय

(ख) परम् (Absolute)

(ग) दृश्ये इति वृतते

(घ) अतिरिक्त मूल्य

(ङ) विषयीनिष्ठतावाद

(च) मानववाद

(छ) आवेग (Passion)

(ज) अतिइन्द्रिय ज्ञान (Intuition)

1590